भंडारी अस्पताल समूह अब रिसर्च और पेटेंट के क्षेत्र में
विश्वस्तरीय स्किल रिसर्च एवं मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग लेब से हुआ करार
मरीजों को अत्याधुनिक तकनीक व उपचार सेवा न्यूनतम मूल्य पर मिल सकेगी

इंदौर। मरीजों को सस्ता और बेहतर उपचार देने के लिए प्रसिद्ध इंदौर का भंडारी अस्पताल समूह अब चिकित्सा के क्षेत्र में रिसर्च और अनुसंधान का केन्द्र भी बनने जा रहा है। अब यहा रेग्युलर हार्ट ट्रांसप्लाट व मेडिकल कार्डियेक डिवाइसेस, वाल्व, स्टेंट, एट्रियम डिवाइसेस के पेटेंट का काम भी होगा। यह अपने तरह की प्रदेश की पहली लेब होगी।

संस्थान की सर्जिकल स्किल लेब लेप्रोस्कोपी अेकेडमी ऑफ सर्जिकल एज्युकेशन एंड रिसर्च (लेजर) में ८ अक्टूबर को चैन्नई, हैदराबाद, मुम्बई, पूना, दिल्ली, बेंगलौर, त्रिवेंद्रम, कोचीन व कोलकाता के २५ कार्डियेक सर्जन स्किल डेवलपमेंट और नई विधाओ की ट्रेनिंग के लिये इन्दौर आए थे।

इसी दौरान कार्डियेक और वेस्क्युलर उपकरणों की विख्यात बेक्स्टर कम्पनी के विदेश से आए डॉ. मॉरिस बेगोट (यू.के.), डॉ. बोनी मेके लॉरिन (यू.एस.) एवं श्रीलंका की कम्पनी हेड सुश्री सुभी खुराना ने यहा पर मेडिकल डिवाइस लैब शुरू करने का प्रस्ताव दिया। डी.बी.टी. टॉस्कफोर्स फॉर बायोइजीनियरिंग एवं टॉस्क फोर्स फॉर मेडिकल डिवाइसेस के सर्जन डॉ. के.आर. बालाकृष्णन व बेल्जियम से प्रशिक्षित अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मेदांता गुड़गांव के डॉ. अली जमीर यहा रेग्युलर हार्ट ट्रांसप्लाट व मेडिकल कार्डियेक डिवाइसेस, वाल्व, स्टेंट, एट्रियम डिवाइसेस को पेटेंट करने के लिये काम करेंगे।

इसके अलावा संस्थान में विश्वस्तरीय एनीमल रिसर्च एवं मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग लेब भी प्रस्तावित है। अभी ऐसी लैब यूरोप एवं अमेरिका जैसे चुनिंदा देशों में ही हैं। यह पहल भी लोगों को अत्यंत उच्च कोटि की अन्तर्राष्ट्रीय सेवाएँ प्रदान करने की दिशा में की जा रही है।

संस्थान के चेयरमेन डॉ. भंडारी ने कहा कि इस प्रकार की सुविधाए उपलब्ध होने से न सिर्फ यहा देश विदेश के डॉक्टर रिसर्च का काम कर सकेंगे बल्कि खासतौर पर दिल के रोग से संबंधित डिवाइसेस एवं तकनीक व उपचार पद्धति सरल होकर न्यूनतम मूल्यों पर मिल सकेगी।